# ना मोक्ष चाहिए-ना धन चाहिए, हमें तो अखंड भारत चाहिएः रामभद्राचार्य महाराज

## सालासर में नौ दिवसीय हनुमान महायज्ञ एवं श्रीराम कथा जारी, कथा के तीसरे दिन कथावाचक ने बताई प्रभु लीला की महिमा

जयपुर टाइम्स

सालासर(नि.सं.)। कस्बे में स्थित श्री बालाजी गौशाला के पास चल रहे नौ दिवसीय श्री 1008 कुंडीय महायज्ञ व श्रीराम कथा के तीसरे दिन संत रामभद्राचार्य महाराज ने उपस्थित हजारों श्रोताओं को कथा के बारे में विस्तार से बताया। कथा में बताया गया कि स्वामी तुलसीदास जी की प्रतिमा बहुत अद्भुत है। जो भगवान के द्वारा भजा गया हो उसे भक्त कहते हैं। शिव का अर्थ है कल्याण कर जो शमशान मे सोते हैं उसे शिव कहते हैं। रामजी के जाने के कारण अवध सम्मान बन गया था। इंद्र की वज्र से हनुमानजी की ठोढ़ी टूट गई थी ऐसा आजकल कहा जाता है। इंद्र के वज्र से ठोढ़ी नहीं टूटी उसे ही हनुमान जी कहते हैं। किसी गरीब को कोई धनवान नहीं कहते, जिसके पास धन है, उसे ही धनवान कहा जाता है। उन्होंने कहा कि यह यज्ञ राष्ट्र की अखंडता के लिए किया जा रहा है। ना मुझे मोक्ष चाहिए, ना कोई धन चाहिए और केवल भारत एक चाहिए। रावण द्वारा हरण करने पर माता सीता को हनुमानजी लौटा सकते हैं तो पाक अधिकृत कश्मीर को भी हमें लौटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि पर को विवाद चल रहा था उसमें मेरे एक बयान ने दिशा और दशा दोनों बदल दी थी। एक जज ने कहा कि आपके पास कोई प्रमाण है क्या कि यहां पर भगवान राम का जन्म हुआ है। इसके बाद मैने उनको प्रमाण दिया था। जिस पर पूरा फैसला ही हो गया था। इस अवसर पर श्री हनुमान सेवा समिति के संरक्षक महावीर प्रसाद पुजारी, मुरलीधर पुजारी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष भंवरलाल पुजारी, सत्यप्रकाश पुजारी, यशोदानंदन पुजारी, मनोज पुजारी, नागरमल पुजारी, जय पुजारी, मांगीलाल पुजारी, रविशंकर पुजारी ने संत रामभद्राचार्य महाराज का स्वागत किया। इस दौरान वल्लभदेवाचार्य महाराज, रघुवंश पुरी महाराज हरिद्वार व संत अखिलेश्वर दास महाराज कथा में उपस्थित रहे।